Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 16, Issue No. 6, May-2019, ISSN 2230-7540

अलवर ज़िले में सड़क निर्माण के विकास कार्यों का अध्ययन

Pradeep Kumar[1]* Dr. Anita Mathur[2]

[1] Research Scholar, Department of Geography, Raj Rishi Bhartrihari Hari Matsya University, Alwar, Rajasthan

[2] Associate Professor, Department of Geography, B.S.R. Govt. Arts College, Alwar, Rajasthan

शोध पत्र सार:- *सामान्य अर्थों में, विभिन्न विभागों में यात्रियों, संदेशों और माल ढुलाई के लिए अपनाए गए मार्गों को सड़क कहा जाता है। मानव, जानवर और विभिन्न ट्रेनें इन मार्गों पर चलती हैं। साइट ट्रैफ़िक के लिए उपयोग की जाने वाली सड़क अपेक्षाकृत चैड़ी है, जो कच्ची और पक्की दोनों है। इसे सड़क कहा जाता है। राजस्थान का राज्य लोक निर्माण विभाग, जिसे आमतौर पर लोक निर्माण विभाग के रूप में जाना जाता है, राज्य सरकार द्वारा प्रभुत्व वाला एक प्राधिकरण है जो राजस्थान के सभी जिलों में सार्वजनिक क्षेत्र के सड़क कार्य करता है। लोक निर्माण विभाग, अलवर जिले के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सड़क निर्माण और स्वायत्त निकायों के अधिकांश भवनों के निर्माण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। अलवर जिले में इस विभाग द्वारा किए गए सड़क विकास कार्यों और प्रगति का भौगोलिक अध्ययन इस शोध लेख में किया गया है।*

मुख्य बिन्दु: - *अलवर में सड़क विकास कार्य, गौरव पथ, नाबार्ड योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, नई सड़क निर्माण, राज्य राजमार्ग योजना, खनन सड़क, ग्रामीण सड़क, सड़को का महत्व, सुझाव और निष्कर्ष।*

----------X----------

परिचय:-

अलवर जिले का प्रमुख शहर अलवर शहर है। जिला मुख्यालय अलवर भी है। अलवर नाम की उत्पत्ति के बारे में कई दंत कथाएँ हैं। कनिघम का मत है कि अलवर शहर का नाम सलवा जनजाति से लिया गया है और मूल रूप से यह सालिपुर, फिर सलवार, फिर उलवार और अंत में अलवर था। अलवर के महाराजा जय सिंह के शासनकाल के दौरान बनाए गए शैड ने यह खुलासा किया कि 11 वीं शताब्दी में इस क्षेत्र पर आमेर के महाराजा कील का शासन था और इसके द्वारा शासित क्षेत्र 10 वीं ईस्वी के अलवर शहर में वर्तमान अलवर शहर तक विस्तारित था। बाद में, इसे उलवार के रूप में जाना जाता था, लेकिन जयसिंह के शासन के दौरान इसे अलवर में बदल दिया गया था।

15 मई 1948 को संयुक्त राज्य का मत्स्य राज्य राजस्थान में विलय हो गया, जिसके परिणामस्वरूप भूमि पर कब्जा कर लिया गया था। जयपुर रियासत के केतकसीम निज़ामत को जिले में मिला दिया गया था। बाद में उस समय पंजाब राज्य के गुड़गांव जिले के 5 ग्रामों और शाहजहापुर बावड़ी चैबारा, सांसेड़ी और फौलादपुर के क्षेत्रों के आदान-प्रदान के दौरान हरियाणा को इस जिले में मिला दिया गया था। इससे पहले, मत्स्य के विलय के समय, जिले को 6 उपखंडों, 8 तहसीलों और 6 उप तहसीलों में विभाजित किया गया था। बाद में, जयपुर रियासत के कटकसीम निजाम को इस जिले में स्थानांतरित कर दिया गया था। 1951-61 के बीच पूर्व केतकसीम तहसील में सभी गाँव (178.7) वर्ग किमी। और 167 (545.2) तिजारा तहसील का वर्ग किमी। नई तहसील किशनगढ़बास को स्थानांतरित करके बनाया गया था। 1971-81 के बीच, 14 गाँव (5418.3) शहर तहसील के वर्ग किलोमीटर। विलय के बाद एक नई तहसील रामगढ़ बनाई गई। जिसमें लक्ष्मणगढ़ तहसील के 12 गाँव (37.9) वर्ग कि.मी. शामिल है। अलवर जिले में, 12 उप-मंडल और 12 तहसीलें पूर्व में हैं, और नेमाराना और रैनी में उप-विभाजन और तहसील हैं। इसके अलावा, मालाखेड़ा और गाविंदगढ़ में भी तहसीलें बनाई गई हैं। इस प्रकार, अलवर जिले में वर्तमान में 14 उप-मंडल और 16 तहसील हैं। अलवर जिला अपनी प्रचुर प्राकृतिक उपजाऊ भूमि, उन्नत कृषि और बढ़ते

www.ignited.in

पर्यावरण के कारण राजस्थान में अपना महत्व रखता है। जिले के उत्तरी मध्य भाग को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल किए जाने के कारण इसे अधिक महत्व मिलता है।

भौगोलिक स्थिति:

जिला अलवर राजस्थान के उत्तर पूर्व में अरावली पर्वत श्रृंखलाओं में 27°4 "से 28°4" उत्तरी अक्षांश और 67°4 "से 77°13" पूर्वी देशांतर में स्थित है। यह आकार में काफी द्विघात है। जिले की सीमाएँ पूर्व में भरतपुर, दक्षिण में जयपुर, दक्षिण में जयपुर, दौसा, उत्तर में जिला और उत्तर में हरियाणा राज्य से घिरी हुई हैं।

क्षेत्रफल व भौतिक स्वरूप:

जनगणना 2011 के अनुसार जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 8380 वर्ग कि.मी. है जो राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.45 प्रतिशत है। क्षेत्रफल की दृष्टि से जिले की आकृति लगभग चैकोर है जो जिले के दक्षिणी पश्चिमी भागों में मुख्य अरावली श्रेणियों की निरन्तरता बनाये रखते हुए घाटियों के ऊँचें पठारों के रूप में विद्यमान है। जिले के मध्य भाग में उत्तर से दक्षिण की ओर अरावली पहाड़ियों की ऊँचाई 456 मीटर से 700 मीटर है। जिले का यह भू-भाग जंगलों से परिपूर्ण है । जिले का पश्चिमी भाग रेतीला है जबकि मध्य भाग में पर्वतीय तथा पठारी भू-भाग है।

उद्देश्य

शोध पत्र के उद्देश्य इस प्रकार हैं।

1. अलवर ज़िले में सड़क निर्माण कार्यों अध्ययन किया गया है।
2. अलवर ज़िले में सड़क निर्माण की प्रगति का अध्ययन किया गया है।

परिकल्पनाः

1. अलवर ज़िले के व्यापक रूप से विकास कार्यों की प्रगति हुई है ।
2. अलवर ज़िले में सार्वजनिक निर्माण विभाग शहरी एवं ग्रामीण सड़क निर्माण कार्य कर रहा है।

अध्ययन विधितन्त्र:

प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक और द्वितीयक डेटा का उपयोग किया गया है। प्राथमिक डेटा का संकलन प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार, व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से किया गया है। जिला कलेक्टर कार्यालय से आर्थिक सामाजिक प्रगति रिपोर्ट 2018, सार्वजनिक निर्माण विभाग से प्राप्त आँकड़े, विभिन्न पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और विभिन्न वेबसाइटों और पुस्तकों के माध्यम से माध्यमिक डेटा प्राप्त किया गया है। इस अध्ययन की प्रकृति वैज्ञानिक अध्ययन की पद्धति पर आधारित है।

अलवर में सड़क विकास कार्य:

जिले में 11 विधानसभा क्षेत्र और 10 सा निवाड़ कार्यालय है। जिले में 6137.55 किमी लंबाई की डामर सड़कें हैं। कुल लंबाई में 151.10 किमी। राष्ट्रीय राजमार्ग, 840.00 किमी। स्टेट रोड, 289.65 किमी। मुख्य जिला सड़क, 480.95 किमी। अन्य जिला सड़कें और शेष 4375.85 किमी। सड़कें ग्रामीण हैं। जिले में 326.30 किमी लंबाई की 6 टोल सड़कें हैं।

ग्रामीण गौरव पथः -

चरण I: - 102 स्वीकृत 102 कार्य पूर्ण

चरण II: - 105 रु. में काम करता है 105.00 किमी। 6340.00 लाख मंजूर, जिनमें से 104 कार्य पूरे हुए और 1 कार्य सीसी में। काम पूरा हो गया है और नाली निर्माण का काम चल रहा है।

चरण III: - 99 काम 99.93 किमी की राशि. 5816.00 लाख मंजूर किए गए, जिनमें से 52 कार्य पूरे हुए, इन कार्यों पर 25.13 करोड़ खर्च करने के बाद 59.68 किमी. सी.सी. लंबाई में। निर्माण पूरा हो चुका है और बाकी का काम चल रहा है।

चरण IV: - 163 कार्य 163.00 किमी की दूरी पर हैं। 9780.00 लाख स्वीकृत, जिनमें से 30 कार्य पूर्ण, इन कार्यों पर 21.36 करोड़ खर्च करने के बाद, 62.55 किमी। सी.सी.

www.ignited.in

लंबाई में। निर्माण पूरा हो चुका है और बाकी का काम चल रहा है।

शहरी गौरव पथः

6 काम करता है 7.30 किमी की राशि रु. 1500 लाख मंजूर किए गए, जिनमें से 5 काम पूरे हो गए, इन कार्यों पर 9.11 करोड़ और 5.42 किमी का खर्च आया। सी.सी. लंबाई में। निर्माण पूरा हो चुका है और बाकी का काम चल रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री जी का बजट 2015-16: - अलवर शहर में घेडेफर से अहिंसा सर्किल कटिघाटी रोड तक 7.9 किमी। लंबाई का विकास कार्य (जिसमें फैरलेन और पुलियों का चैड़ीकरण शामिल है) की राशि रु. 3309.95 लाख स्वीकृत है।

नाबार्ड योजनाः

(चरण 20 से 22) रु. 185 सबसे क्षतिग्रस्त सड़कों (436.22 किमी लंबाई) के नवीकरण के काम के लिए 88.65 करोड़ मंजूर किए गए, जिनमें से 184 सड़कें (380.10 किमी लंबाई के नवीनीकरण का काम 60.28 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हुआ, 1 पुल का काम रद्द करने के लिए प्रस्तावित था।

चरण 23:

106 कार्य 238.84 किमी की दूरी पर हैं। 4285.00 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसमें से 37 कार्य पूर्ण हुए, इन कार्यों पर 157.8 किमी की लागत 19.83 करोड़ थी। लंबाई पूरी हो चुकी है। 6 कार्य रद्द करने और प्रगति में रहने के लिए प्रस्तावित।

अतिरिक्त कार्य:

158 काम करता है 354.78 किमी रुपये की राशि। 7848.00 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसमें से 36 कार्य इन कार्यों पर पूर्ण हुए, 16.40 करोड़ 132.21 किमी पर खर्च किए गए। लंबाई पूरी हो चुकी है और बाकी का काम चल रहा है।

प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना (2012-13):

चरण -10 में, 80 कार्यों को मंजूरी दी गई थी, जिसमें से 77 कार्य पूरे हो चुके थे और 1 कार्य अस्वीकार कर दिया गया था, 2 कार्यों को रद्द करने का प्रस्ताव भेजा गया है।

प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना (2017-18)

द्वितीय चरण में, 22 कार्य लंबाई 177.63 किमी है। उक्त योजना में 6500.49 मिलियन, 43.00 किमी। लंबाई सड़क निर्माण पूरा हो चुका है जिसमें अब तक 55.82 लाख का व्यय किया गया है और सभी कार्य प्रगति पर है।

मिसिंग लिंक:

चरण I: - 59 कार्य 95.70 किमी राशि 3282 लाख रुपये स्वीकृत, सभी कार्य पूर्ण।

चरण II: - 30.3.60 लाख की 88.35 किलोमीटर की स्वीकृति के लिए 50 कार्य प्राप्त हुए, जिसमें से 48 कार्य पूर्ण हो गए, जिसमें 19.9 करोड़ खर्च करने के बाद 77.91 किलोमीटर की दूरी तय की गई। कार्य लंबाई में पूरा किया गया है और 1 कार्य वन विभाग के कारण अधूरा है और 1 प्रस्तावित पंचायत द्वारा रद्द करने के लिए किए गए कार्य के कारण है।

मिसिंग लिंक 2017-18:

29 काम 65.65 किमी रुपये की राशि। 2064.62 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसमें से 10 कार्य प्रगति पर हैं और शेष कार्य निविदा के अधीन हैं।

नई सड़क निर्माण (बजट रिपोर्ट) 2017-18:

100 काम 149.70 किमी रुपये की राशि। 5421.00 लाख की स्वीकृति, जिसकी निविदा प्राप्त हुई थी और स्वीकृति की प्रक्रिया में है।

RRSMP:-

25 कार्य स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 23 कार्य पूर्ण हो चुके थे, 2 बांध के जलग्रहण क्षेत्र में रद्द किए गए कार्य।

CRF योजना (2015-16) 6 में 66.59 किमी काम किया गया है। लंबाई और 2 ताल की स्वीकृति

www.ignited.in

2015-16 में प्राप्त हुआ, जिसमें से 67.69 किलोमीटर लंबाई के सभी कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जिस पर 50.95 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

NCRPB: - NCRPB योजना के तहत 38 सड़कों (629.67 किमी लंबाई) को रु. 931.89 ब्।त्म्क् अनुमोदन 24.68 किमी। अब तक लंबाई में काम पूरा हो चुका है, कुल 73.39 करोड़ का व्यय किया गया है और सभी कार्य प्रगति पर हैं।

राज्य राजमार्ग योजना / गैर योजनाः

4 कार्य अवधि 76.50 किमी राशि रु. स्वीकृत 31 कार्यों में से 3 कार्य 1 कार्य प्रगति पर।।

पीपीपी एन्यूटी (एडीबी) खेडली पहाडी:

1 कार्य अवधि 61.16 किमी (अलवर जिले में 20.00 किमी। भरतपुर जिले में 40.16 किमी) राशि रु. 10600 लाख, 10.00 किमी जंगल की सफाई का काम लंबाई में पूरा हुआ।

पीपीपी वीजीएफ नीमरानाः -

1 कार्य अवधि 46.40 किमी राशि रु. साकल प्रभाव आकलन के 8600.00 लाख की प्रगति में काम।

गैर-पहुंच योग्यता 2017-18:-

166 कार्य अवधि 378.85 किमी राशि रु. 5682.00 लाख, जिनमें से 68 कार्य स्वीकृति प्रक्रिया में प्राप्त हुए और शेष कार्य प्रक्रियाधीन हैं।

खनन सड़क 2017-18:-

4 कार्य अवधि 24.30 किलोमीटर राशि रु. 2650.00 लाख का स्वीकृत कार्य जिसका कार्य प्रगति पर है।

ग्रामीण सड़क राज्य राजमार्ग व्यय: -

2 कार्य अवधि 3.50 किमी राशि रु. 123.00 लाख का स्वीकृत कार्य क्रम प्रगति पर है।

एस आर एम अन्य जिला सड़क: -

(खैरथल बाईपास) 5.00 किमी. लंबाई की राशि रु. 6150 लाख जिसका टेंडर आमंत्रित किया जाना है।

नॉन-पेचेबल (शहरी सड़क):-

5 कार्य अवधि 9.60 किमी राशि रु. 600 लाख का स्वीकृत कार्य जिसका कार्य प्रगति पर है।

अलवर में सड़कों का महत्वः -

1. अलवर जिले में व्यापार, कृषि और औद्योगिक प्रगति सड़कों के माध्यम से ही पूरी हो सकती है। यही कारण है कि आज तेजी से विकास के मार्ग की ओर बढ़ रहा है।

2. अलवर का शासन राज्य की सुरक्षा और समाज के दृष्टिकोण से सड़क परिवहन आधार के रूप में कार्य करता है। राज्य में शांति और अशांति के समय में सड़कें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

3. अलवर, स्थानीय, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में माननीय सभ्यता का विकास इन सड़कों का प्रतीक माना जाता है।

4. अलवर धार्मिक सद्भाव प्रत्यक्ष की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, नैतिकताः केवल सड़क पर निर्भर करती है

www.ignited.in

5. अलवर में खनन क्षेत्र के विकास, औद्योगीकरण, शहरीकरण को रोडवेज का उपोत्पाद माना जाता है।

6. अलवर के विभागों में रेलवे को एक सीमा तक पहुँचाया जा सकता है, इसलिए विभिन्न गाँवों को जोड़ने के लिए सड़कों का उपयोग किया जा सकता है।

7. अलवर की सड़कों पर बेलगारी, घोड़ा गाड़ी भैंस, ऊंट गाड़ी और मोटर, ट्रक को केवल निर्दिष्ट स्थानों तक ही नहीं, बल्कि फ्लैट विभागों में भी कहीं भी ले जाया जा सकता है।

8. ग्रामीण क्षेत्रों के उत्थान के लिए अलवर जिले में सड़कों का पर्याप्त उपयोग। सड़कों के विकास ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और सभ्यता को बढ़ावा देना संभव बनाया है।

9. सूखे और अकाल के दौरान अवलर में सड़कों का उपयोग सबसे अच्छा है, सड़कें संकट के समय में राज्य के आंतरिक भागों तक पहुँचने में सहायक होती हैं।

10. खाद्य अनाज के अलावा, अलवर के विकास में फलों, दूध, सब्जियों आदि का उत्पादन बढ़ा है, इसे परिवहन की सुविधा से शहरी उपभोक्ता क्षेत्र में आसानी से ले जाया जा सकता है।

11. अलवर जिले में, प्राथमिक व्यवसाय से लेकर कच्चे माल उद्योग और उद्योगों में तैयार माल उपभोक्ता क्षेत्रों तक पहुँचाया जाता है

12. अलवर में परिवहन सीधे कुछ भी उत्पादन नहीं करता है लेकिन यह उत्पादन में मदद करता है।

13. अलवर जिले में आर्थिक विशेषज्ञता और बड़े पैमाने पर खनन उद्योग और कृषि उत्पादन परिवहन के कारण संभव हो गया है।

14. अलवर में परिवहन के परिणामस्वरूप, विभिन्न राज्यों में आर्थिक अन्याय और निर्भरता अधिक से अधिक जटिल होती जा रही है।

15. अलवर में, परिवहन के परिणामस्वरूप, औद्योगिक कृषि और खनिज परिदृश्य और समग्र विकास होता है, जिसके कारण विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों का निर्माण होता है।

अलवर में आधुनिक वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति के परिणामस्वरूप, परिवहन की तीव्रता और जटिलता बढ़ रही है। परिवहन के कारण, अलवर में कई पर्यावरणीय गिरावट और प्रदूषण की समस्याएं बढ़ रही हैं। अलवर जिले में, आर्थिक योजनाओं, सामाजिक उत्थान योजनाओं को परिवहन के माध्यम से संभव बनाया गया है।

सुझाव और निष्कर्ष:

इस शोध पत्र के अध्ययन से ज्ञात होता है कि लोक निर्माण विभाग ने अलवर जिले में शहरी और ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण विकास कार्य किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप जिले का विकास हुआ है। अलवर जिले में सड़कों, नालियों और ओवरब्रिजों का निर्माण किया गया है, जिसके कारण यातायात व्यवस्था सुचारू हो गई है, लेकिन फिर भी अलवर जिले को मुख्य रूप से एनसीआर में जिले के शामिल किए जाने के कारण राज्य सरकार से पूर्ण बजट नहीं मिला है। मुख्य सड़कों को एनसीआर की सभी विकास योजनाओं का लाभ मिला है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों को कोई विशेष लाभ नहीं मिला है, इसलिए केंद्र और राज्य सरकार को जिले के विकास पर ध्यान देना चाहिए।

सन्दर्भ सूची

1. जिला कलेक्टर कार्यालय, अलवर।

2. सूचना एवं जन सम्पर्क कार्यालय, अलवर।

3. सार्वजनिक निर्माण, विभाग, जिला अलवर।

4. सामाजिक एवं आर्थिक विकास रिपोर्ट 2018, जिला अलवर।

5. सांख्यकीय विभाग, जिला अलवर।

Corresponding Author

Pradeep Kumar*

Research Scholar, Department of Geography, Raj Rishi Bhartrihari Hari Matsya University, Alwar, Rajasthan

www.ignited.in